

५ श्री गुरुभ्यो नमः

३३

༣༣। །རྒྱུད་མེ་ལྔ་འཛིན་ལྔ་ལྔ་གཙོ་བོར་བསྟན་པ་འཛིན་ན་དག་སྒྲུ་མ་གོང་མའི་ཕྱག་ལེན་བཞུགས་སོ།།

333

[illegible]

335 ॥ अथ गेयार्द्धदशमस्कंधः ॥

कृत्यं कृत्यं कृत्यं

[illegible]

337. वादयानादवाक्यार्थद्वयमनवच्छेदात्

कृत्येष्टि

[illegible]

५
प्राच्य पक्षिणा कुदयेप्रसन्न।

[illegible]